



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्रतिभार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 140]  
No. 140]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 13, 1988/आषाढ़ 22, 1910  
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 13, 1988/ASADHA 22, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
separate compilation

## वार्णिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 26 आई टी सी (पी एन)/88-91

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1988

विषय: 1987-88 के लिए 911 मिलियन यन की जापानी अनु-  
दान सहायता के अन्तर्गत जापान से दो दूना लॉग लाइन  
फिशिंग बसल और सम्बद्ध उपस्कर/सेवाओं के आयात के  
लिए लाइसेंसिंग शर्तें ।

फाइल सं. आई पी सी/23(42)/88-91--1987-88 वर्ष के  
लिए 911 मिलियन यन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से  
दो दूना लॉग लाइन फिशिंग बसल और संबद्ध उपस्कर/सेवाओं के आयात  
को नियंत्रित करने वाली शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के उपावय में सूचना  
के लिए अधिवृद्धित की जाती है ।

ह./-

राजीव लोचन मिश्र,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वार्णिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 26-आई टी सी (पी  
एन) 88-91 दिनांक 13 जुलाई 1988 ।

1987-88 के लिए 911 मिलियन (911,000,000) यन की  
जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से दो दूना लॉग लाइन  
फिशिंग बसल और सम्बद्ध उपस्कर भारत में पत्तनों तक के यातायात  
के लिए आवश्यक सेवाओं के खरीद के लिए लाइसेंस शर्तें ।

खण्ड-1 सामान्य शर्तें

1. (i) 1987-88 के लिए 911 मिलियन यन (आगत एवं  
भाड़ा) के जापानी अनुदान सहायता दो दूना लॉग लाइन फिशिंग बसल  
और सम्बद्ध उपस्कर और भारत में पत्तनों पर उनके यातायात के लिए  
आवश्यक सेवाओं की खरीद के लिए जापानी संस्करणों की भूमिका निम्न  
पंक्ति करने के लिए कृषि विभाग और सहकारिता विभाग (फिशरी सर्वे  
ऑफ इंडिया बम्बई) द्वारा उपयोग करने के उद्देश्य है ।

1. (ii) आयातक के नाम में कुल यन 1002 मिलियन (लागत-  
बोमा-भाड़ा) की धनराशि तक के लिए आयात लाइसेंस जारी किए जाने  
चाहिए और इस पर "1987-88 के लिए येन 911 मिलियन  
जापानी अनुदान सहायता" अभिलेख हा अंकित होना चाहिए । प्रथम  
और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस कोड "एस/जे एन" होगा ।

1. (iii) आयात लाइसेंस के मद्द बिदेशी मुद्रा का प्रेषण अनुमेष नहीं होगा किन्तु बैंक आफ इंडिया, टोकियो को जो प्रसार सामान्य बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से प्रेषित किए जाते हैं, वे इसमें शामिल नहीं हैं। यदि कोई हो तो, भारतीय एजेंट कमीशन का भुगतान भारतीय रुपए में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मुख्य का हो एक अंग समझे जाये और अतः लाइसेंस धारी से हो वसूल किए जाएंगे।

1. (iv) इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत उपस्कर केवल जापान से ही अधिप्राप्त किए जाने चाहिए। कम आदेश केवल जापानी संभरकों को ही दिए जाएंगे।

1. (v) आयात लाइसेंस लागत-बीमा भाड़ा के आधार पर जारी किए जाएंगे जिनकी वैधता 31-3-1989 तक होगी।

1. (vi) संविदा में भुगतान की व्यवस्था नकद आधार प्रर्वात् बैंक आफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा लदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर करने चाहिए। वितरण की अवधि निम्न प्रकार से होती चाहिए :-

1 (vii) संविदा का मुख्य [लागत एवं भाड़े के जहाज पर्यन्त निशुल्क के आधार पर (यन में) येन का अंश हटा देना चाहिए] प्रदर्शित किया जाना चाहिए और यदि कोई हो तो, भारतीय अधिकर्ता का कमीशन निकाल देना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में भारतीय अधिकर्ता का मुख्य किसी अन्य मुद्रा में प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए।

1. जहाज पर्यन्त निशुल्क लागत एवं भाड़ा राशि अलग से दर्शाई जाती चाहिए, किन्तु संविदा में यह स्पष्ट होना चाहिए कि भाड़े का भुगतान वास्तविक आधार पर किया जाएगा अथवा उसमें दर्शाया गया भाड़ा वास्तविक खर्चों के अनुरिक्त भुगतान की राशि होगा।

1 (viii) क्रय संविदा जापानी राष्ट्रियों द्वारा या जापानी राष्ट्रिकों द्वारा जापानी स्थायिक व्यक्तियों के साथ येन में दी जाती चाहिए।

खण्ड-2 संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान स्पष्ट रूप में समाविष्ट होना चाहिए।

2. (i) ठेके की व्यवस्था 1987-88 के लिए येन 911 मिलियन के अनुदान सहायता के अनुसार भारत और जापान की सरकारों के बीच हुए 21 अप्रैल, 1988 को हुए समझौते के अनुसार होनी चाहिए और दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2. (ii) संभरकों को भुगतान "भुगतान के प्राधिकार" (ए/पी) के माध्यम से किए जाएंगे। जो 1987-88 के लिए जापान अनुदान सहायता के अन्तर्गत बैंक आफ इंडिया, टोकियो के लिए सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रण वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, ए. सी. ओ. बैंक, बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किए जाएंगे।

2. (iii) जापानी संभरक ऐसी सूचनाओं एवं दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होंगे एक और भारत सरकार एवं इसकी और जापान सरकार द्वारा अपेक्षित होंगे।

2. (iv) जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत हैं और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टोकियो को शामिल माल की सुपुर्दगी के कार्यक्रम में अग्रगत करेगा। और पोत-लदान में कम से कम छ मातृक पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिसने कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहाँ आयातक इच्छुक हों, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक का प्रत्येक पोत-लदान के पश्चात् आवश्यक व्यौर देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होंगे चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-3 भारत और जापान की सरकारों द्वारा ठेके का अनुमोदन

3. (i) जैसे ही आदेशों को अन्तिम रूप दे दिया जाता है, लाइसेंस-धारी को दोनों पार्टियों द्वारा निश्चित हस्त-अर्पित ठेके की पांच प्रतियां जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए क्रय आदेश के साथ जापानी संभरकों द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आदेश या चार प्रतियां या सभी प्रकार के पूर्ण आयात लाइसेंस की वॉ कोपी प्रतियों के साथ अनुबंध-1 के प्रपत्र के "(ए/पी) जारी करने के आदेश" की दो प्रतियां अथवा यविव (टी सी) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए उपर्युक्त प्रतियां संविदा की विषय वस्तु या उसकी प्रोमिस के आवश्यक संशोधनों से उत्पन्न सभी संविदा संशोधनों के लिए भी लागू होंगी।

3. (ii) वित्त मंत्रालय (डी ई ए) जापान अनुभाग 1987-88 के लिए 911 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तित करने के लिए संविदा की दो प्रति जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (i) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक सेट सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के दूतावास, टोकियो को भी भेजेगा।

3 (iii) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, नार्थ ब्लॉक को उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक-कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय ए. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग संसद मार्ग नई दिल्ली-110001 को देगा जो कि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को अनुबंध-2 के अनुसार एक "भुगतान प्राधिकार-पत्र" (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार-पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत का दूतावास टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएगी।

3. (iv) भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया टोकियो, जापान सरकार भारत का दूतावास टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देने हुए इस प्राप्ति को सूचना से जापानी संभरक को अवगत करेगा।

3. (v) पोत लदान करने के बाद जापानी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से (ए/पी) में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाये गये तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को जापानी को संभरकों को अपने बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा।

3 (vi) जापानी संभरक को भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो की दिय बैंक खर्च भारत सरकार के लेखों को प्रस्तुत किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में आयातक से संबद्ध बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन प्रेषित करके निष्पत्ति किया जाएगा।

खण्ड-4 रुपया अमा करने का उत्तरदायित्व

4 (i) मूल विलियम पोत परिवहन दस्तावेज निरपवाद रूप से बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबद्ध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक जो अनुबंध-1 के (ग) में उल्लिखित है, की शाखा होगी, उस बैंक को दस्तावेजों के ये विनिमय सीट केवल इस बात का सुनिश्चित कर लेने के बाद ही संबद्ध आयातक को देने चाहिए कि जापानी संभरक को चूकाई गई येन धनराशि के बराबर रुपया उन मामलों में जहाँ देने योग्य है व्याज के खर्च सहित जापानी संभरक को भुगतान कर दिया गया है और इस धनराशि पर जापानी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से वास्तविक रुपया अमा करने की तिथि

की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12% प्रति वर्ष की दर से शेष अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से हिसाब लगा कर ब्याज मार्बजनिक्त सूचना सं. 31-5-1974 (पी.एन.)/83 दिनांक 10-8-74 के अनुसार सरकारी लेखों में जमा कर दिया गया है। ब्याज दोनों दिनों अवधि जिस दिन जापानी संभरक का भुगतान किया जाता है, और जिस दिन सरकारी लेखों में जमा किया जाता है, के लिए देय है। देखिए, मार्बजनिक्त सूचना सं. 103-आईटीसी (पी.एन.)/76, दिनांक 12-10-76 द्वारा संशोधित मार्बजनिक्त सूचना सं. 74-आईटीसी (पी.एन.)/74 दिनांक 31-5-74। येन भुगतान के समस्त रूपों की गणना करने के लिए आनार्ड गर्ड मुद्रा विनिमय की दर मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात को मार्बजनिक्त सूचना सं. 8-आईटीसी (पी.एन.)/76, दिनांक 17-1-76 में यथा निर्धारित मुद्रा विनिमय का प्रकृतित मिश्रित दर या समय-समय पर मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात की मार्बजनिक्त सूचनाओं या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा अधिसूचित कर दी गई है। इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में भी कोई भी परिवर्तन जैसे हो आवश्यक होगा, अधिसूचित किया जाएगा। संबद्ध भारतीय बैंक का इस बात का सुनिश्चय करने का दायित्व होगा कि आयातकों को आयात दस्तावेज मांगने से पूर्व देय धनराशि सरकारी लेखों में सही रूप से जमा कर दी गई है। आयातक को यह भी सुनिश्चय करना चाहिए कि अपने बैंकों से दस्तावेज लेखों में पहले देय धनराशि सरकारी लेखों में सही रूप से जमा करा दी गई है। यह सुनिश्चय करना आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी लेखों में ठीक से जमा करवा दी गई है जबकि उन्होंने विशेष परिस्थितियों में सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल को मुफ्त की प्राप्ति को हटा, उस मामले में जब आयातक सरकार को देय धनराशि माल छड़वाने से पूर्व जमा करवाने से असमर्थ होंगे, है तो उसे आगे एल.ए.ए. जारी करना रोक दिया जाएगा। और मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात का तथ्यों से अवगत करवाया जाएगा जिसमें ऐसे आयातक को आगे कोई आयात लाइसेंस न जारी किया जाए। लेखा शीर्ष जिसमें उपर्युक्त कथना निक्षेप किया जाएगा वह है "के" डिपॉजिट्स एंड एडवांस्ड-84.3-मिलिव डिपॉजिट्स-डिपॉजिट्स फार परचेजिंग एंड ट्रेड एंड परचेजिंग अंडर ग्रेट ग्रेड फ्राम दि गवर्नमेंट ऑफ जापान 1987-88 के लिए कृषि एवं सहकारिता (एफ.एस.आई. बम्बई) द्वारा दो टूटा लागू लाइन क्रिजिंग बैलेंस और सम्बद्ध उपस्कर और भारत में पत्तों पर उनके अग्रगत के लिए आवश्यक सेवा की खरीद के लिए अनुदान, लेकिन सरकारी विभागों द्वारा आयात के लिए कोई ब्याज नहीं लगेगा।

4. (ii) ऊपर उल्लिखित धनराशि या वा भारतीय रिजर्व बैंक सर्व ट्रिप्सी में जालान के दहिने कोने में कोड सं. 5130000009 धरति हुए या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सीस ट्रजरी, ट्रिप्सी में या यदि मध्य न हो तो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सीस ट्रजरी शाखा, दिल्ली-6 (आदेजिरी और आदाता) के नाम और उसकी देय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया या इसकी सहायक शाखा या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक (आदेस) से प्राप्त डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से सरकार के खाने से नकद जमा कराना चाहिए। मार्बजनिक्त सूचना सं. 184-आईटीसी (पी.एन.)/68, दिनांक 30-8-1968, सं. 233-आईटीसी (पी.एन.)/68, दिनांक 24-10-1968 और सं. 132-आईटीसी (पी.एन.)/71, दिनांक 5-10-1971, सं. 74-आईटीसी (पी.एन.)/74, दिनांक 31-5-1976 और सं. 103-आईटीसी (पी.एन.)/76, दिनांक 12-10-1976 में दृष्टव्य है।

4. (iii) भारत में संबद्ध बैंक को उपर्युक्त निर्धारित विधि के अनुसार ऐसे अनिवारित निक्षेप भेजना और जैसे ही सेवा प्रभार के लिए सरकार द्वारा इसकी मांग की जाती है तो इस प्रकार की गई मांग के बाद मात दिनों के भीतर निक्षेप करेगा। जालान के विभिन्न कालम अपने समय आयातकों/उनके बैंकों को यह सुनिश्चित कर देना चाहिए कि मार्बजनिक्त सूचना सं. 132-आईटीसी (पी.एन.)/71, दिनांक 5-10-71

और मार्बजनिक्त सूचना सं. 103-आईटीसी (पी.एन.)/76, दिनांक 12-10-76 के साथ को जाने वाली मार्बजनिक्त सूचना सं. 74-आईटीसी (पी.एन.)/74, दिनांक 31-5-1974 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना जालान के "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्यौर" कालम में निम्नलिखित रूप से निदिष्ट किए गए हैं। खजाना जालान में निम्नलिखित व्यौर निम्नलिखित रूप से प्रस्तुत करने चाहिए --

(क) वित्त मंत्रालय के "ए/पी" (भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र) का सं. एवं दिनांक।

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में आनार्ड गर्ड परिवर्तन का दर के साथ निक्षेप किए जाते हैं।

(ग) जापानी संभरक का भुगतान का तिथि।

(घ) भुगतान किए गए ब्याज की धनराशि और वह धरति जिसके लिए इसकी गणना की गई है।

(ङ) निक्षेप की गई कुल धनराशि।

(ब्याज की गणना जापानी संभरक का भुगतान की तिथि से सरकारी लेखों में मुख्य धनराशि जमा कराने की तिथि तक करनी है।

उसके पश्चात् सी.ए.ए.ए.ए. द्वारा जारी किए गए ए/पी (भुगतान) के लिए प्राधिकार-पत्र) का संदर्भ देने हुए, और जोड़क तथा पोस परिवहन दस्तावेजों का संकलन करने हुए खजाना जालान द्वारा जमा करने का साध्य देने हुए परीक्षित डाक द्वारा सी.ए.ए.ए.ए. की भेजा जाता चाहिए।

टिप्पणी -- भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो से भुगतान की सूचना और विनिमय पोस परिवहन दस्तावेजों को पानि के 10 दिनों के भीतर कपरा निम्नलिखित रूप से जमा कर दिया गया है और यह कि इतिहास बाद इसकी सूचना सी.ए.ए.ए.ए.ए. वित्त मंत्रालय (प्राधिकार कार्य विभाग) नहीं किली को दे दी गई है।

4. (iv) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लडमें की मुद्रा विनिमय निबंधन प्रति पर कपरा निक्षेपों की धनराशि का पृठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक आफ इंडिया, बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड-5 विविध व्यवस्थाएं

5. (i) अनुदान सहायता के उपयोग पर रिपोर्ट --

आयातक को पावलदान और उनके पक्षों किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में ए/पी जारी हो जाने के पश्चात् एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा निबंधक, प्राधिकार कार्य विभाग, यू.सी.ओ. बैंक विंग्स, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजना चाहिए।

आयातक को पावलदान और उनके पक्षों किए गए भुगतान और शेष आयातक को इस अनुदान सहायता के पक्षों पक्षों के आयात के संबंध में उन विशेष प्रावधानों से सरकार का अवगत कर देना चाहिए जो माम के तब-तब में संभरक पर प्रभाव डालती हों।

5. (ii) विवाद.

यह समझ लेना चाहिए कि आयातकों और सरकारों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जानी वाली शर्तें आयातक द्वारा अनुसंधान में "भुगतान की शर्तों" के अंतर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट करनी चाहिए। मविदा की शर्तों में विवाद निपटाने से संबंधित व्यवस्थाएं पानि कानी चाहिए।

## 5 (iii) अविष्य अनुदेश :—

जापान से 1987-88 के लिए अनुदान सहायता के अधीन आयातों से उत्पन्न या उनके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी भी मामले या सभी मामलों के संबंध में समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों, अनुदेशों या आदेशों की और सभी दायित्वों को आयातक को सुरत पूरा करना होगा।

## 5 (iv) अतिरक्षण या उल्लंघन :—

उपयुक्त अनुच्छेदों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिरक्षण या उल्लंघन करने पर आयात-नियंत्रण (नियंत्रण) अधिनियम, के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

## 5 (v) अनुबंधों की सूची :—

अनुबंध-1	ए/पी जारी करने के लिए प्रार्थना-पत्र
अनुबंध-2	ए/पी का प्रपत्र।

अनुबंध-1

“भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र”

संख्या दिनांक

सेवा में,

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,

यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,

पालिसामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001।

विषय :— 1988 के लिए मिलियन घेन की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से-----आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन जापान से उपर्युक्त उपकरणों के आयात के संबंध में हम आपको निम्नलिखित व्योरा भेजते हैं जिससे कि आप संबंध जापानी संभरक के पक्ष में बैंक आफ इंडिया, टोकियो, को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी कर सकें :—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता।
- (ख) आयात लाइसेंस की सं., दिनांक और मूल्य और वह तिथि जब तक यह वैध है।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके। क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित है या सीमित खुली निविदा पर आधारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना है कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण :—
- (ङ) माल का उद्गम देश।
- (च) संविदा की कुल लागत और भाड़ा मूल्य (घेन में)।
- (छ) यदि कोई हो तो, भारतीय रुपए में भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (घेन में)।
- (ज) वह शुद्ध लागत तथा भाड़ा मूल्य (घेन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।

(झ) संभरकों के साथ की गई संविदा का नाम और दिनांक।

(ञ) संभरक का नाम और पता।

(ट) वे भुगतान शर्तें और संवाधित निधि जिनकी संविदाओं के अंतर्गत भुगतान वेध होंगे।

(ठ) सुपुर्दगी पूर्ण करने की प्रत्यागित तिथि।

(ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सैट की संख्या और उनका निपटान दक्षिण टुए)।

(ण) पोतलदान अनुदेश (वास्तुतः/पाटं शिपमेन्ट की अनुमति दी गई है या नहीं निर्दिष्ट कीजिए)।

(ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(त) कृपया यह स्पष्ट करें कि भारतीय बैंक, टोकियो के बैंकिंग प्रभारों को कौन वहन करेगा-आयातक प्रथम संभरक।

(थ) आयातक द्वारा सचनबद्धता :— “हम एतद्वारा कबन देते हैं कि हम विदेशी संभरक को वेध धनराशि के समुत्पन्न रूप को पूर्ण धनराशि को सरकार द्वारा निर्धारित किया विधि से और प्रचलित ढर पर सही रूप से जमा करवा देंगे। मान (आयातित सामग्री) के प्रत्येक परेक्षण की सुपुर्दगी प्राप्त करने से पूर्ण राशि शीघ्र ही जमा करवा दी जाएगी। विदेशी राष्ट्रों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है, वेसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी।”

अनुबंध-2

भुगतान के लिए प्राधिकरण सं.-----

संख्या-----एक

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)

विषय :— 1988 के लिए -----मिलियन घेन की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से----- का आयात।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 21-4-1988 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा परिशिष्ट में दिए गए प्रथम संलग्न व्योरे के अनुसार सर्वश्री-----की-----घेन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया, भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संभरक को सूचना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक भारतीय दूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पुष्कलित की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिस्थिति में यथा संकेतिक लदान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. आयातक द्वारा आपके देश बैंक प्रमाण जिनमें दस्तावेजों पर लगने वाला प्रभार और विदेशी संदर्भ, बैंक के प्रकार शामिल है, यदि कोई हो, आयातक के बैंक द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

5. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान दस्तावेज आदि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस संज्ञान और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

6. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

7. यह भुगतान प्राधिकार पत्र ..... तक वैध रहेगा।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित : --

1. आयातक ..... को उनके पत्र सं. .... दिनांक ..... के संदर्भ में। उनसे अनुरोध किया जाता है कि वे बैंकों से पराक्राम्य दस्तावेजों की सुपुर्वगी लेने से पूर्व अपने बैंकों के माध्यम से रूप निक्षेप प्राप्ति को जमा करवाने की व्यवस्था करें। यदि विशेष परिस्थितियों की वजह से मूल परिवहन दस्तावेज प्रस्तुत किए बिना भीमा शुल्क प्राधिकारियों और पतन के प्राधिकारियों से मान को सुपुर्वगी सीधे ही प्राप्त कर ली हो, तो वहां सुपुर्वगी प्राप्त करने से पूर्व धनराशि जमा करवानी चाहिए। विदेशी संभरकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही भुगतान के लिए बीजक अनुसूचित किए जाते हैं वे भी धनराशि जमा करवा देनी चाहिए। सीधे ही और सही रूप से धनराशि जमा करवाने में असमर्थ होने पर जाइसिंग शर्तों में उल्लिखित कार्रवाई की जाएगी।

2. आयातक का बैंक ..... उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक आफ इंडिया, टोकियो से दस्तावेज प्राप्त करने पर जापानी संभरकों को येन भुगतान के समतुल्य रुपया जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को बुकार्ड गई धनराशि के बराबर रुपए की गणन सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई.टी.सी. (पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए, के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि की यथा प्रचलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी। विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि से भारतीय बैंक को अदायगी करने की तिथि तक सरकार के लेख में तुल्य रुपया जमा करने की अवधि के लिए सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई.टी.सी. (पीएन)/83, दिनांक 10-8-83 35-आई.टी.सी. (पीएन)/83, दिनांक 26-8-83 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर पर और इससे अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 18% की दर से ब्याज भी सरकारी लेख में जमा करना होगा। ब्याज दोनों दिनों के लिए देय होगा अर्थात् वह तिथि जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह तिथि भी जिस दिन सरकारी लेख में रुपया निक्षेप किया जाता है। (यदि इस दर में कोई परिवर्तन होता तो इसकी सूचना सुरुत की जाएगी)। इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सीमा शुल्क निकासी के लिए आयातक को दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा कराई जाती है।

आयात के लिए कोने में कोड नं. 5130000009 दर्शाते हुए ये धनराशियां या तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक आफ

इंडिया की किसी शाखा, या इसकी अनुपत्ती संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी शाखा दिल्ली-6 (आदेशित और आयात) के नाम में और उसकी येन दर्शनी टुण्डो के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में आपका व्यक्त सार्वजनिक सूचना सं. 233-आई.टी.सी. (पीएन)/68 दिनांक 24-10-68, सं. 132-आई.टी.सी. (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-आई.टी.सी. (पीएन)/74 दिनांक 31-5-74 और सं. 103-आई.टी.सी. (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 को पत्रों का और दिया जा रहा है। लेखा शीर्ष जिनमें धनराशि जमा की जाएगी वह "के डिपोजिट एण्ड एडवांसिज-843 मिनिन डिपोजिट्स-डिपोजिट्स फार परवेजिन एटैचमेंट एंड परवेजिन अन्डर ग्रांट एंड फ्रॉम वि गवर्न-मेंट आफ जापान फार 1988-89 अन्डर डिटेल्ड हैड" मिलियन.... येन ग्रांट एंड फार परवेजिन अन्डर .....

जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई.टी.सी. (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार सकल जमा किया जाता है उनमें आयात की मूल रूप में एस प्रतिनिधि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देने हुए प्रेषण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजी जाएगी:--

"लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय (प्राथमिक कार्य विभाग),

पहली मंजिल, यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग,

संसद, मार्ग, नई दिल्ली-110001.

जिस मामले में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक को 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी टुण्डो द्वारा प्रेषित करता है उसका सूचना उपर्युक्त पत्र पर भेजा जाना चाहिए सभी मामलों में ब्याज को बुकार्ड गई धनराशि और वित्त अवधि के लिए ब्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए तुल्य रुपए का पूरा ब्योरा इस विभाग को भेजना चाहिए। बैंकिंग प्रभार जिन में समुच्चार संभरक के बैंक के प्रभारी शामिल हैं, यदि कोई हो तो, बैंक आफ इंडिया, टोकियो शांन के इंडियन बैंक और बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

3. भारतीय दूतावास, टोकियो।

4. चर सचिव, (जापान शाखा), वित्त मंत्रालय, प्राथमिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 26-ITC(PN)88-91

New Delhi, the 13th July, 1988

Subject : Licensing conditions for import of two Tuna Long Line Fishing Vessels and associated equipment/services from Japan under the Japanese grant aid of Yen 911 million for the year 1987-88.

F. No. IPC/23(42)88-91.—The terms and conditions governing imports of two Tuna Long Line Fishing Vessels and associated equipment/services



from Japan under the Japanese grant aid of Yen 911 million for the year 1987-88, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

Sd/-

R. L. MISRA, Chief Controller of Imports & Exports.

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice No. 26-ITC(PN)88—91 dated 13th July, 1988

Licensing Conditions for purchase of Two Tuna Long Line Fishing Vessels and associated Equipment and services necessary for transportation of the Vessels/ equipment to ports in India under the Japanese Grant Aid for 1987-88 of Yen 911 Million (Yen 911,000,000).

#### Section I. General Conditions :

I (i) The Japanese Grant Aid for 1987-88 of Yen 911 million (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for purchase of Two Tuna Long Line Fishing Vessels and associated equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, by the Deptt. of Agriculture and Coop., (Fishery Survey of India, Bombay).

I (ii) The import licence should be issued for an amount not exceeding Yen 1002 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the super-scription "Yen 911 million Japanese Grant Aid for 1987-88". The licence code for the first and second suffix will be "S/JN".

I (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels. Payment towards Indian Agent's Commission if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (iv) The equipment and services should be procured only from Japan/India under this Grant Aid. The purchase order should be placed only on the Japanese suppliers.

I (v) The import licence will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-1989.

I (vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 15-3-1989".

I (vii) The contract value (C&F/FOB basis) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's

Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency.

The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I (viii) The purchase contract should be entered into only in Japanese Yen with the Japanese nationals or Japanese Juridical persons controlled by Japanese nationals.

Section II. The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

II (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 21st April, 1988 between the Government of India and Government of Japan concerning the Grant Aid of Yen 911 million for 1987-88 and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorization to Pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audt. Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1987-88.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

#### Section III. Contract Approval by Governments of India and Japan.

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (TC), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi, 5 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form

at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III(ii) The Ministry of Finance (DEA), Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1987-88 of Yen 911 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the CAA&A.

III (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese Supplier shall be settled by the concerned importer's Bank in India by remittance to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

#### Section IV. Responsibility for rupee deposit

IV (i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's Bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the Nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12 per cent per annum for the first thirty days and at 18 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983. The interest is payable for both

the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposits are made into Government account vide public notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further A/P to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchases etc., abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan—for 1987-88-Grant for purchase of Two Tuna Long Line Fishing Vessels and associated equipment and services necessary for the transportation of vessels to ports in India by the Deptt. of Agriculture and Co-operation, (F.S.I., Bombay). No interest is however chargeable for imports by Govt. Departments.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, indicating Code possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in

the Challan it should be ensured by the Importers their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC (PN) 74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittance and authority (if any)" of the Challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to pay) No. and date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account)

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Section V. Miscellaneous provisions

##### V. (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

The importer should advise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

##### V. (ii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and

the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure I under "Terms of Payment". Provision in dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

##### V. (iii) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1987-88 from Japan.

##### V. (iv) Breach or violation

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

##### V. (v) List of Annexures :

Annexure-I : Request for issue of A/P.

Annexure-II : For mof A/P.

#### ANNEXURE-I

#### "REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY"

To No.

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
UCO Bank Building, 1st Floor,  
Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject : Import of

from Japan under the Japanese Grant  
Aid of Yen million for 198 -8 .

Sir,

In connection with the import of above mentioned equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned :

- (a) Name and address of Indian Importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F or FOB value of contract (in Yen)



- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F or FOB value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Name & date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name & address of the Japanese Supplier.
- (k) Payment terms & probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transshipment/partshipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of Importer's bank in India.
- (p) Undertaking by the Importer.—“We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers”.

Your's faithfully,

#### ANNEXURE-II

No. F.

Government of India

MINISTRY OF ECONOMIC AFFAIRS

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To

The Bank of India,  
Tokyo Branch,  
Tokyo (Japan).

Subject : Import of

from Japan under Japanese Grant  
Aid of Yen           million for 198 -8  
Issuc of Authorisation to Pay

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated           entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen———to M/s.——— as per details given in the appendix:

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan.

1846/88-2

Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the appendix

4. Banking charges including, charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese suppliers an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

6. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto———.

Yours faithfully,

(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

Importer——— with reference to their letter No. —— dated ——

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing conditions.

2. Importer's Banker——— They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India account in terms of Public Notices No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government. (Any change in this rate will be intimated if and when made). If

should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-IC(PN)/74 dated 31-5-1974 and 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is 'K-Deposits and Advances-843-CIVIL Deposits-Deposit for purchases etc. abroad Purchases under Grant Aid from Government of Japan for 1988-89' under detailed head "Yen million grant aid for purchase of the

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details

of the advice notes received from the bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalent are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the Bank of India, Tokyo Branch.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary(TC), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs New Delhi.

( )

Accounts Officer.